



* M B A - 0 0 1 - 0 0 1 4 7 1 - 5 0 - 2 *

MBA-001-001471

Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) Examination

March / April - 2018

Sanskrit : Paper-8

(Mruchhakatikam)

(मृच्छकटिकम् - शूद्रक)

(Elective-1) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001471

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

- | | | |
|----------------|--|----|
| १ | ‘मृच्छकटिकम्’नी आधार सामग्री वर्णवो. | १४ |
| 1 | Describe content of ‘मृच्छकटिकम्’. | 14 |
| अथवा/OR | | |
| १ | शूद्रकनी शैली वर्णवो. | १४ |
| 1 | Describe the style of ‘शूद्रक’. | 14 |
| २ | शूद्रककालीन सामाजिक जीवन वर्णवो. | १४ |
| 2 | Social life in time of 'Shudrak'. Describe. | 14 |
| अथवा/OR | | |
| २ | मृच्छकटिकम्नो नाट्य प्रकार वर्णवो. | १४ |
| 2 | Which type of drama मृच्छकटिकम् is ? Elaborate. | 14 |
| ३ | चारुदत्तनुं पात्रालेखन करो. | १४ |
| 3 | Character sketch of ‘चारुदत्त’. | 14 |
| अथवा/OR | | |
| ३ | ‘मृच्छकटिकम्’ना दसमां अंकनुं रसदर्शन करावो. | १४ |
| 3 | Critically appreciate the 10 th Act of ‘मृच्छकटिकम्’. | 14 |

- ४ (अ) नीचेनाभांथी कोठपश बे श्लोकोनो अनुवाद करो : ८
- 4 (A) Translate any **two** of the following verses : 8
- (१) त्यजति किल तं जयश्रीर्जहति च मित्राणि बन्धुवर्गश्च ।
भवति च सदोपहास्यो यः खलु शरणागतं त्यजति ॥
- (२) वणिज इव भान्ति तरवः पण्यानीव स्थितानि कुसुमानि ।
शुल्कमिव साधयन्तो मधुकरपुरुषाः प्रविचरन्ति ॥
- (३) शरच्चन्द्रप्रतीकाशं पुलिनान्तरशायिनम् ।
हंसी हंसं परित्यज्य वापसं समुपस्थिता ।
- (४) शास्त्रज्ञः कपटानुसारकुशलो वक्ता न च क्रोधन-
स्तुल्यो मित्रपरस्वकेषु चरितं दृष्ट्वैव दत्तोत्तरः ।
क्लीबान्पालयिता शठान्त्यथयिता धर्म्यो न लोभान्वितो
द्वाभावे परतत्त्वबद्धहृदयो राज्ञश्च कोपापह ॥
- (ब) नीचेनाभांथी कोठपश बे संदर्भ सहित सभज्ञवो : ६
- (B) Explain with reference to context any **two** of the : 6
following :
- (१) न केवलं रूपं शीलामपि तर्कयामि ।
- (२) भवन्ति सुतरां स्फीताः सुक्षेत्रे कण्टकिद्रुमाः ।
- (३) मूले छिन्ने कुतः पादपस्य पालनम् ।
- (४) किं कुलेनोप दिष्टेन, शीलमेवात्र कारणम् ।
- ५ नीचेनाभांथी कोठपश बे टूंकनोंध लभो : १४
- 5 Write short notes on **any** of the following : 14
- (१) मैत्रेयनुं पात्रालेखन
- (1) The character sketch of मैत्रेय.
- (२) मृच्छकटिकम् - शीर्षकः ।
- (३) प्रवहण - विपर्ययप्रसङ्गः ।
- (४) वसन्तसेना ।